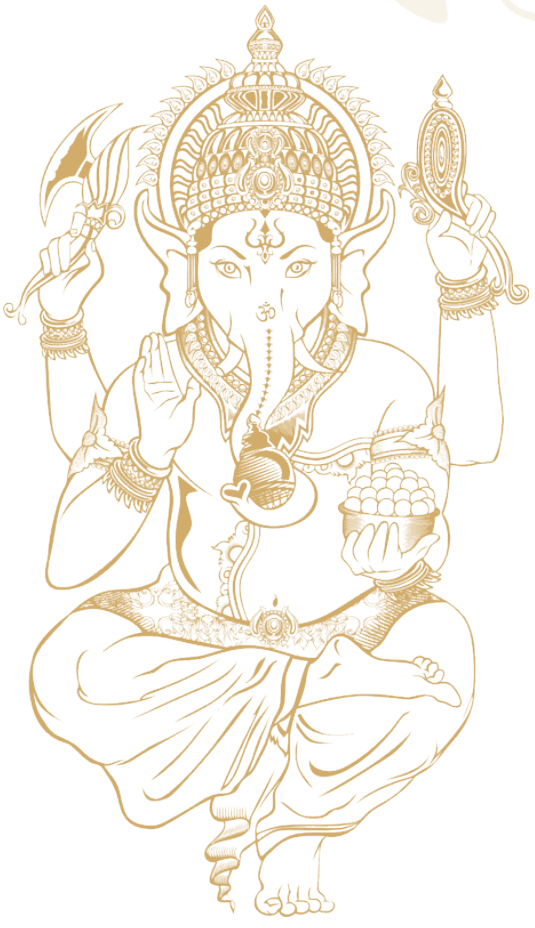

Pranav Delhi

Vibhooti Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121953304

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
12/10/1996 :	जन्म तिथि	: 12/09/1998
शनिवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 22:11:00 :	जन्म समय	: 18:40:00 घंटे
घटी 39:25:29 :	जन्म समय(घटी)	: 31:13:12 घटी
India :	देश	: India
Jaipur :	स्थान	: Kota
26:53:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:24:48 :	सूर्योदय	: 06:10:53
18:01:09 :	सूर्यास्त	: 18:33:42
23:48:45 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:11

विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 0मा 23दि

गुरु	
06/11/2019	
06/11/2035	
गुरु	24/12/2021
शनि	06/07/2024
बुध	12/10/2026
केतु	18/09/2027
शुक्र	19/05/2030
सूर्य	07/03/2031
चन्द्र	06/07/2032
मंगल	12/06/2033
राहु	06/11/2035

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मिथु	06:28:22
सूर्य	कन्या	25:49:04
चंद्र	कन्या	27:01:08
मंगल	कर्क	26:08:24
बुध	कन्या	11:49:50
गुरु व	धनु	16:20:25
शुक्र	सिंह	16:09:50
शनि व	मीन	08:56:27
राहु व	कन्या	14:14:17
केतु व	मीन	14:14:17
हर्ष व	मक	06:49:57
नेप व	मक	01:10:28
प्लूटो	वृश्चि	07:35:08

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कुंभ	29:03:40
सूर्य	सिंह	25:44:02
चंद्र	वृष	18:50:10
मंगल	कर्क	20:39:21
बुध	सिंह	14:01:36
गुरु व	कुंभ	29:41:41
शुक्र	सिंह	13:15:55
शनि व	मेष	09:08:01
राहु व	सिंह	07:31:05
केतु व	कुंभ	07:31:05
हर्ष व	मक	15:29:45
नेप व	मक	05:46:21
प्लूटो	वृश्चि	11:39:57

विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि

राहु	
26/01/2009	
26/01/2027	
राहु	09/10/2011
गुरु	04/03/2014
शनि	08/01/2017
बुध	28/07/2019
केतु	15/08/2020
शुक्र	15/08/2023
सूर्य	09/07/2024
चन्द्र	08/01/2026
मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

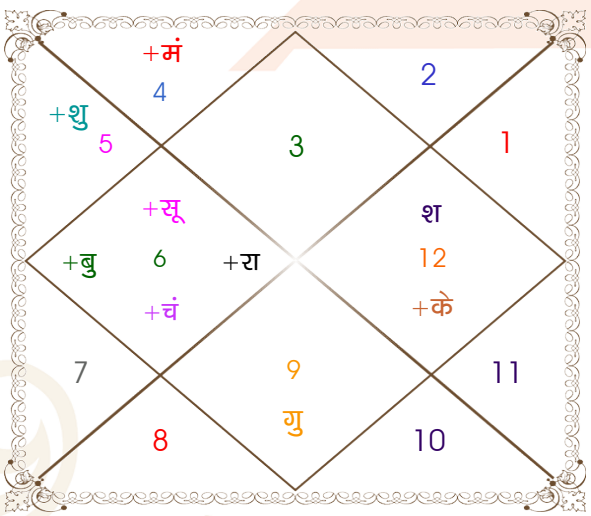

लग्न-चलित

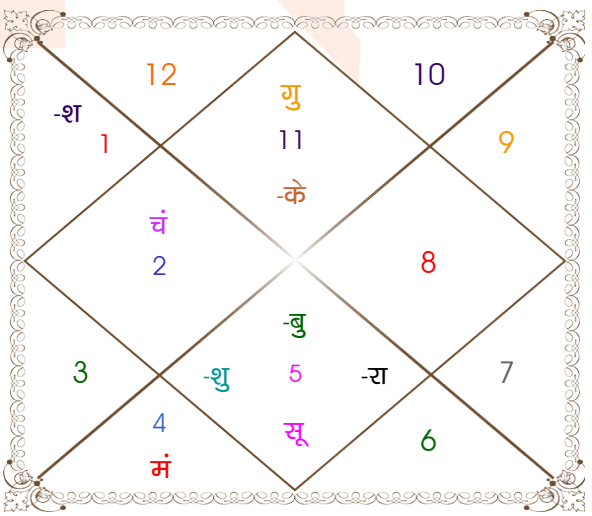

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च्तंदंअ क्मसीप का वर्ग मूषक है तथा टपइीववजपौंतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंदंअ क्मसीप और टपइीववजपौंतउं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंदंअ क्मसीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

टपइीववजपौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

च्तंदंअ क्मसीप तथा टपइीववजपौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।